vement in future. So I do not agree that whatever has been achieved so far is so little that we have no hope lor the future. That hot my view and that is not the Government's view. That is not the view of popu lation experts. There could always*"" be improvement. We could have achieved more. Higher targets, all that is conceded., put what has been Achieved is really no mean achieve ment by any standard. In regard to incentives, there are two aspects of this. We have now come to the conclusion that apart from whatever incentives we could think of, it should become a natural motivation and not a mercenary motivation. I do many things, a man does. many things, ' without any external incentive Co, family planning also should be a part of the normal thinking of peo ple. That is the target which we real ly want to achieve. But meanwhile While travelling in that direction we will have to see what further incen tives could be built into these pro grammes. So far as disincentives are concerned, 1 must say that we have to be extremely careful in thinking of disincentives and, at the moment, I cannot say that we have decided on any disincentives as such. So far as incentives are concerned. - We Are working on a new package ' of incentives. ~

MB. CHAfilMAN: Yes, Mr. Maha-jan.

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, परिवार नियोजन एक राष्ट्रीय कार्यक्रम होने के बावजूद भ अपने देश में कुछ धार्मिक गुट और संस्थायें ऐस हैं जो अपने धर्म के आधार पर परिवार नियोजन के कार्यक्रम का विरोध करते हैं । क्या सरकार ने इसका अध्ययन किया है कि विभिन्न धर्मों के लोगों क गत दस वर्षों में संख्या किस प्रकार से बढ़ रह है, इसमें क्या समानता है? क्या कोई विशेष धर्म वाले ह परिवार नियोजन करते हैं और अन्य धर्म के लोगों क संख्या बढ़त जा रह है? यदि कोई धार्मिक गुट या संस्थायें परिवार नियोजन कार्यक्रम का कोई विरोध करती हैं तो क्या सरकार उनके खिलाफ कड़ा कार्य- वाह करने पर विचार करेग। ?

श्री पी०वी०नरसिंह राव : मैं समझता हूं कि इस प्रकार का सर्वेक्षण एकदम रिलीजन के आधार पर, धर्म के आधार पर करना ठ क नहीं रहेगा। हम पूर आबादी को लेते है। वैसे भ देखने पर यह पता चलता है कि एक धर्म और दूसरे धर्म में इतना कोई बड़ा अंतर नहीं है जिससे हमको कोई परेशान। हो।

The percentage of Muslim acceptors of sterilization has increased from 4.7 in 1969-70 to 7.1 in 1973-84. बाकी धर्मों के आंकड़ बताईए। इसमें जो मोटिवेशन है वह सब के लिय कामन मोटिवेशन है जैसे कि आर्थिक मोटिवेशन है जिसके बारे में कई बातें कही गई है। यह सब के लिये कामन है। इसलिए हमको इस संबंध में कोई बहुत ज्यादा धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं सोचना चाहिए। हम समझते है कि इसमें कोई इतना बड़ा अंतर नहीं है जिसके कारण हमें कोई इतनी अधिक चिंता करने की आवश्यकता हो।

Unpacked expensive equipment lyiaf in IITs

♦107. SHRI ASHWANI KUMAR:
SHRI PRAMOD MAHAJAN: f

Will the Minister of HUMAN RB. SOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the names of IITs where eX' pensive research and other equipment is lying in unpackd condition, as reported in "India Today" dated 15. 3. 1987, for more than one year; and

(b) what is the eost and the foreign exchange involved in each case?

---

j-The question Was actually asked on the floor of the House by Sbrt Pramod Mahajan.

THE MINISTER OF STATE IN *HE DEPARTMENT OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI KRI SHNA SAHI): (a) According to this information furnished by the Indian Institutes of Technology, no expensive research or other equipment is lying in packing cases for more than a year in any IIT.

(b) Does not arise in view of (a) above.

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी मुख्यप्रश्न जिसका इंडिया टुडे में उल्लेख है, उसके मुख्य पृष्ठ क. कहान के अनुसार इस वर्ष सरकार द्वारा 20 हजार करोड़ रूपये का अपव्यय हो गया है। इस प्रकार के अनेक उदाहरण जिसमें दिल्ली का भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान भ है इसमें जो उपकरण थे उनक भ चर्चा है जो कि वर्षों तक उपयोग में नहीं लाय गये। सरकार ने अपने उत्तर में कहा है कि वे डिब्बों में बंद नहीं है डिब्बों को खोल दिया है। लेकिन मैं यह पूछना चाहता कि क्या कोई ऐसे महत्वपूर्ण और कीमत उपकरण हैं जो वर्षों से डिब्बे तो खुल गये हैं, लेकिन वे उपयोग में नहीं लाये गये हैं ?

श्रीमती कृष्णा साही : सभापति महोदय, माननीय सदस्य के आंकड़ें ठीक हैं परन्तु बाक सूचना उनकी गलत है। ..(व्यवधान) ..मुझे बोलने दीजिए। मैं उत्तर दे रह हूं।

Sir, equipment worth Rs. 2 corers fcras procured in two phases under Norwegian aid for the Industrial Tribology Centre of the IIT. The first phase was approximately Rs. 1 crore and the second phase approximately Rs. 1 crore. No equipment remains in packing cases for more than one year. All the equipments fcave been used. Therefore, there ts no question of their lying in packa gea for ytors.

पहल बात तो यह कि जो उन्होंने सवाल उठाया है वह समान जो खरीदा गया है ट्राइबालाजी सर्विस आई आई.टी. दिल्ली को जो नार्वीजियन एड में मिल है इसके बारे में जो समाचार निकाला है वह गलत है। वह इस्तेमाल में आ रह हैं। कोई भी ऐसा उपकरण वहां नहीं है जो एक साल से अधिक पैकेट में बंद रहा हो। दूसरा फोटोन कोरेलेटर के बारे में यह बताना चाहत हूं कि इंडिया टुडे में जो कहा गया है कि इसके दाम 8 लाख रुपये है यह गलत है। इसका दाम तो एक लाख

The Institute purchased the photoa counter with rotomotor in. 1975, riot photon correlator.

फोटोन कोरिलेटर नहीं है, वह फोटोन काउंटर है। रोटो मीटर 1975 में खरीदा गया था ...

MR- CHAIRMAN: Question Houk is over. She has effectively prevented you from putting the second supplementary.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: YbV did not help me. (Interruptions)

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Air-India General Sales Agents in UK

*102. SHRI RAJNI RANJAN. SAHU: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state;

(a) what criteria or pre-condition* are laid by Air India while appointing General Sales Agents for opening oi sales offices in U. K.;

(b) what is the number of. sale* offices 4hat have been opened for, the convenience of the travelling passengers in U. K. - by the present General Sales Agents; and

(c) what was the number of Sale* Offices being run before the present General Sales Agent took over and how many Sales Offices are operatlifg